THINK IAS

JOIN SAMYAK

Samyak

An Institute For Civil Services

DAILY CURRENT नामा

04 अक्टूबर 2024

9875170111

SAMYAK IAS, NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR

भूगोल

1. वलयाकार सूर्यग्रहण - इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों में वलयाकार सूर्यग्रहण दिखाई दिया, जबकि दक्षिण अमेरिका के अन्य हिस्सों के साथ, अंटार्कटिका, उत्तरी अमेरिका, अटलांटिक महासागर और हवाई सहित प्रशांत महासागर में आंशिक सूर्यग्रहण दिखाई दिया। वहीं भारत में सूर्यग्रहण दिखाई नहीं दिया।

सूर्यग्रहण

- **विवरण:** सूर्यग्रहण एक खगोलीय घटना है, जो उस समय होती है, जब सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी एक सीध में आ जाते हैं। चंद्रमा के बीच में आ जाने से सूर्य का प्रकाश पृथ्वी पर नहीं पहुंच पाता है, जिससे एक दुर्लभ दृश्य देखने को मिलता है।
- **समय:** केवल अमावस्या के दौरान, लगभग 29.5 दिनों के अंतराल पर, वर्ष में 2-5 बार होता है।
- **चन्द्रमा की कक्षा:** चन्द्रमा की कक्षा लगभग पांच डिग्री झुकी हुई है, जिसके कारण इसकी छाया आमतौर पर पृथ्वी पर नहीं पड़ती।

2. सहारा मरुस्थल- इंडियन एक्सप्रेस

सहारा मरुस्थल, जो कि पृथ्वी पर सबसे शुष्क स्थानों में से एक के रूप में जाना जाता है, में भारी वर्षा के कारण असाधारण परिवर्तन देखने को मिल रहा है। इसके परिणामस्वरूप मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया और लीबिया के सामान्यतः बंजर क्षेत्रों में अप्रत्याशित वनस्पति वृद्धि हो रही है।

सहारा मरुस्थल

- **अवस्थिति:** उत्तरी अफ्रीका; यह विश्व का सबसे बड़ा गर्म मरुस्थल है। इसके अलावा, यह अंटार्कटिका और आर्कटिक के बाद तीसरा सबसे बड़ा मरुस्थल है।
- **क्षेत्रफल:** 9,200,000 वर्ग किमी, पृथ्वी के भूमि क्षेत्र का लगभग 8% और अफ्रीका का 31% हिस्सा।
- **देश:** मोरक्को, माली, मॉरिटानिया, मिस्र, लीबिया, अल्जीरिया, चाड, नाइजर गणराज्य, सूडान के कुछ भाग, नाइजीरिया और बुर्किना फासो।
- **सीमाएँ:** भूमध्य सागर और एटलस पर्वत (उत्तर), लाल सागर (पूर्व), अटलांटिक महासागर (पश्चिम), और साहेल क्षेत्र (दक्षिण)।
- **विशेषताएँ:** चट्टानी पठार, नमक के मैदान, रेत के टीले, पहाड़ और सूखी घाटियाँ।
- **जल स्रोत:** नील और नाइजर नदियाँ, मौसमी झीलें और जलभृत मरुद्यानों के लिए जल उपलब्ध कराते हैं।
- **सबसे ऊँची चोटी:** सहारा की सबसे ऊँची चोटी एमी कोउसी (3,415 मीटर) है, जो चाड के तिबेस्ती पर्वतों में स्थित एक ज्वालामुखी है।
- **साहेल क्षेत्र:** उप-सहारा अफ्रीका के मरुस्थलऔर सवाना के बीच का क्षेत्र। साथ ही, यह पश्चिमी और उत्तर-मध्य अफ्रीका का एक अर्ध-शुष्क क्षेत्र है।

3. अल्बानियाई-ग्रीक सीमा पर स्थित लिटिल प्रेस्पा झील धीरे-धीरे सूखती जा रही है – द हिंदू

अल्बानियाई-ग्रीक सीमा पर स्थित लिटिल प्रेस्पा झील, बढ़ते तापमान, कम बर्फबारी और कम वर्षा के कारण गंभीर पर्यावरणीय क्षरण का सामना कर रही है।

प्रेस्पा झील

- **अवस्थिति:** यह तीन प्रमुख भूवैज्ञानिक खंडों के संगम पर स्थित है: पूर्व में ग्रेनाइट पर्वत श्रृंखला, पश्चिम में गैलिसिका से संबंधित कार्स्टिक पर्वत श्रृंखला, तथा दक्षिण में सुवा गोरा।
- **महत्व:** यूरोप की सबसे पुरानी टेक्टोनिक झीलों में से एक और बाल्कन प्रायद्वीप पर सबसे ऊंची झील।
- **भूविज्ञान:** इसमें पैलियोज़ोइक से नियोजीन युग तक की चट्टानें शामिल हैं।
- **घटक:** इसमें ग्रेट प्रेस्पा झील (अल्बानिया, ग्रीस, उत्तर मैसेडोनिया) और स्मॉल प्रेस्पा झील (मुख्य रूप से ग्रीस में, आंशिक रूप से अल्बानिया में) शामिल हैं।
- **पर्यावरणीय मुद्दे:** बढ़ता तापमान, कम बर्फबारी और कम वर्षा

समाज

4. सारथी 1.0 पहल की शुरूआत – पीआईबी

- **उद्देश्य:** अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST), अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), वरिष्ठ नागरिक, ट्रांसजेंडर व्यक्ति, मादक पदार्थों के शिकार लोग, विमुक्त जनजातियाँ, खानाबदोश जनजातियाँ, और भीख मांगने वाले लोगों जैसे कमजोर समूहों के सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान देना।
- **सतत विकास लक्ष्य 2030 के साथ संरेखित:** यह पहल संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य 2030 के साथ संरेखित है, जिसमें गरीबी उन्मूलन, असमानता को कम करने और सामाजिक सुरक्षा नीतियों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया है
- **कार्यान्वयन:** सारथी 1.0 के तहत देशभर में जागरूकता शिविर और कानूनी सहायता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।
- **समन्वय:** सारथी 1.0 के माध्यम से, कार्यपालिका और न्यायपालिका का समन्वय सामाजिक न्याय और समानता को मजबूत करेगा, जिससे कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में शामिल होने में सहायता मिलेगी।

राजव्यवस्था

5. जेलों में जातिगत भेदभाव मूल अधिकारों का उल्लंघन: सर्वोच्च न्यायालय ने तत्काल सुधार के आदेश दिए

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में कहा कि कैदियों के साथ जाति-आधारित भेदभाव, जाति पदानुक्रम के अनुसार उनके काम का पृथक्करण, तथा भारत भर में जेलों में गैर-अधिसूचित जनजातियों के कैदियों के साथ "आदतन अपराधी" जैसा व्यवहार, मूल अधिकारों और मानवीय गरिमा के लिए दमनकारी है।

पीठ ने फैसले में कहा, "सम्मान के साथ जीने का अधिकार कैदियों को भी प्राप्त है. कैदियों को सम्मान प्रदान न करना औपनिवेशिक काल की निशानी है, जब उन्हें मानवीय गुणों से वंचित किया जाता था।

- सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया जाता है कि वे तीन महीने की अवधि के भीतर इस फैसले के अनुसार अपने जेल नियामवली/नियमों को संशोधित करें.
- तीन महीने के भीतर मॉडल जेल नियमावली, 2016 और मॉडल जेल और सुधार सेवा अधिनियम, 2023 में जाति आधारित भेदभाव को दूर करने के लिए फैसले के अनुसार आवश्यक बदलाव करे.

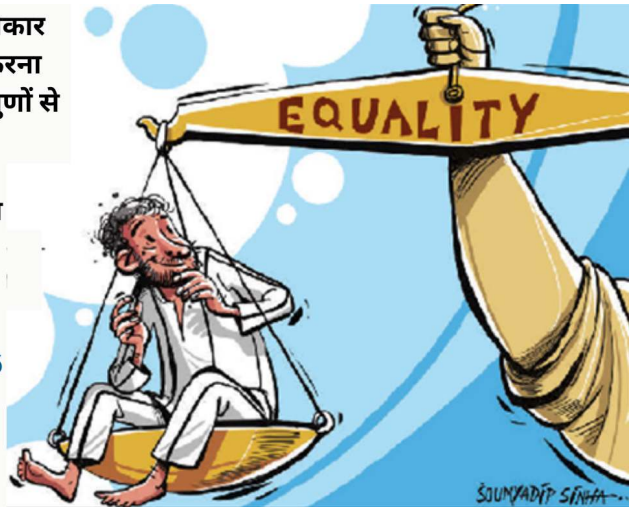

6. मराठी समेत चार और भाषाओं को मिला शास्त्रीय भाषा का दर्जा – द हिंदू

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बांग्ला भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने को मंजूरी दी।

शास्त्रीय भाषा

शास्त्रीय भाषा के मानदंड:
- भाषा का इतिहास कम से कम 1,500-2,000 वर्ष पुराना होना चाहिए, जिसका उल्लेख प्राचीन ग्रंथों में मिलता हो।
- इसमें प्राचीन साहित्य का संग्रह होना चाहिए, जिसे बोलने वालों की पीढ़ियों द्वारा सांस्कृतिक विरासत के रूप में अत्यधिक महत्व दिया जाता हो।
- भाषा की साहित्यिक परंपरा मौलिक होनी चाहिए एवं किसी अन्य भाषा समुदाय से ली हुई नहीं होनी चाहिए।
- शास्त्रीय भाषा और साहित्य, आधुनिक भाषा से भिन्न होने के कारण, शास्त्रीय भाषा तथा उसके बाद के रूपों अथवा शाखाओं के बीच एक विसंगति से भी उत्पन्न हो सकती है।

मान्यता प्राप्त शास्त्रीय भाषाएँ:
- तमिल: 2004 में दर्जा प्राप्त हुआ। तमिल भाषा यह दर्जा पाने वाली पहली भाषा थी।
- संस्कृत: 2005 में शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त हुआ।
- तेलुगु: 2008 में दर्जा प्राप्त हुआ।
- कन्नड़: 2008 में दर्जा प्राप्त हुआ।
- मलयालम: 2013 में सूची में जोड़ी गई।
- ओडिया: मान्यता प्राप्त करने वाली सबसे हाल(2014) की भाषा।

शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिलने के लाभ:

एक बार जब किसी भाषा को शास्त्रीय भाषा घोषित कर दिया जाता है, तो शिक्षा मंत्रालय उसे बढ़ावा देने के लिए कई तरह के लाभ प्रदान करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:
- भाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट विद्वानों के लिए प्रतिवर्ष दो प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार।
- शास्त्रीय भाषा में अध्ययन के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना।

वैश्विक मामले

7. अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता के लिए अमेरिकी आयोग(USCIRF) की रिपोर्ट में भारत में कथित तौर पर गिरते धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर चिंता जताई गई - द हिन्दू

हाल ही में अमेरिकी आयोग USCIRF ने एक नई रिपोर्ट जारी की है जिसमें भारत में धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन का दावा किया गया है।

भारत में धार्मिक स्वतंत्रता पर USCIRF की रिपोर्ट

- **धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति :** रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत में 2024 के बाद से, विशेष रूप से राष्ट्रीय चुनावों के आसपास, धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन बढ़ गया है।
- **कानूनी ढांचे में बदलाव:** रिपोर्ट में नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA), समान नागरिक संहिता, धर्मांतरण और गोहत्या विरोधी कानूनों का हवाला दिया गया है। USCIRF का कहना है कि इन कानूनों का इस्तेमाल अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने के लिए किया गया है।
- **उजागर किए गए मुद्दे**
  - **उपासना स्थलों का अधिग्रहण और विध्वंस:** प्राधिकारियों ने मस्जिद स्थलों पर हिंदू मंदिरों के निर्माण सहित उपासना स्थलों के अधिग्रहण में सहायता की; जो उपासना स्थल अधिनियम, 1991 का उल्लंघन है।
  - **धर्मांतरण विरोधी कानून:** धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने के लिए उपयोग किया गया; कई ईसाइयों को कथित जबरन धर्मांतरण के लिए गिरफ्तार किया गया।
  - **गौहत्या विरोधी कानून:** गोहत्या विरोधी कानून का गलत इस्तेमाल किया गया और इसे अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाने के लिए उपयोग किया गया।रिपोर्ट में विशेष रूप से मुस्लिम और दलित समुदाय पर इसके असर को रेखांकित किया गया है।
  - **घृणास्पद भाषण:** विधायक नितेश राणे और गीता जैन के भाषणों का हवाला दिया गया।
- **सिफ़ारिश:** रिपोर्ट में भारत को "विशेष चिंता वाले देश" के रूप में नामित करने का सुझाव दिया गया है और अमेरिका से सख्त कदम उठाने की मांग की गई है।

अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता के लिए अमेरिकी आयोग(USCIRF)

- **स्थापना:** अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 1998 के तहत।
- **कार्य:**
  - अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन की समीक्षा करता है।
  - राष्ट्रपति, विदेश मंत्री और कांग्रेस को नीतिगत सिफारिशें करता है।
  - अंतर्राष्ट्रीय मानकों का उपयोग करके धार्मिक स्वतंत्रता की निगरानी करता है।
  - अमेरिकी नीति के लिए सिफारिशों के साथ एक वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करता है।
- **संरचना:** राष्ट्रपति या प्रत्येक पार्टी के कांग्रेसी नेताओं द्वारा नियुक्त नौ आयुक्त, गैर-पक्षपाती कर्मचारियों द्वारा समर्थित।

8. 2030 तक एड्स को वैश्विक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने के लिए भारत के प्रयास की आवश्यकता: UNAIDS- द हिंदू

UNAIDS ने 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरे के रूप में समाप्त करने हेतु वैश्विक प्रयास में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया है। एशिया प्रशांत क्षेत्र के लिए UNAIDS के निदेशक इमोन मर्फी ने भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला। साथ ही, उन्होनें रोकथाम और उपचार में त्वरित प्रयासों की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

एचआईवी/एड्स पर संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम (UNAIDS)

- **विवरण:** सतत विकास लक्ष्यों के तहत 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरे के रूप में समाप्त करने हेतु वैश्विक प्रयास का नेतृत्व करने वाला संगठन।
- **स्थापना:** 1996
- **दृष्टिकोण:** कोई भी नए एचआईवी संक्रमण नहीं होने देना, कोई भी भेदभाव नहीं होने देना और एड्स-संबंधी मौतें को पूरी तरह रोकना।
- **एड्स को समाप्त करने पर संयुक्त राष्ट्र राजनीतिक घोषणा:** 2016 में अपनाई गई, यह घोषणा 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने का लक्ष्य रखती है।
- **मुख्यालय:** जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड

9. चागोस द्वीपसमूह पर ब्रिटेन-मॉरीशस संधि: इसका क्या अर्थ है और यह भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है

ब्रिटेन ने चागोस द्वीपसमूह की संप्रभुता मॉरीशस को सौंपने का ऐतिहासिक फैसला किया, जिसमें डिएगो गार्सिया भी शामिल है

चागोस द्वीपसमूह

- **अवस्थिति:** हिंद महासागर में 58 द्वीप, मालदीव से लगभग 500 किमी दक्षिण में।
- **ऐतिहासिक संदर्भ:** 18वीं शताब्दी के अंत में फ्रांसीसी लोग अफ्रीका और भारत से दास लेकर यहाँ आये; चागोस द्वीप समूह पहले फ्रांस के उपनिवेश का हिस्सा था, जिसे 1845 में ब्रिटेन को सौंपा गया।
- **ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र (BIOT):** 1965 में गठित; चागोस प्रशासनिक रूप से मॉरीशस से जुड़ा हुआ था।
- **स्वतंत्रता:** 1968 में मॉरीशस को आजादी मिली, लेकिन चागोस द्वीप समूह ब्रिटेन के नियंत्रण में रहा।

सामरिक सैन्य अड्डा

- **यूएस-यूके समझौता (1966)**: रक्षा उद्देश्यों के लिए BIOT उपलब्ध कराया गया।
- **डिएगो गार्सिया:** 1986 में एक सैन्य अड्डा बन गया; खाड़ी युद्ध, इराक और अफगानिस्तान में अमेरिकी अभियानों के लिए इस्तेमाल किया गया, और संभवतः 9/11 के बाद हिरासत केंद्र के रूप में इस्तेमाल किया गया।
- **सामरिक महत्व:** पश्चिम एशिया में अमेरिकी हितों और मलक्का जलडमरूमध्य की निगरानी के लिए महत्वपूर्ण।

विवाद और समाधान

- **मॉरीशस का दावा:** चागोस पर ब्रिटेन का कब्ज़ा अवैध माना गया; अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर इस मामले को उठाया गया।
- **संयुक्त राष्ट्र की भागीदारी:** 2017 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस मामले को अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) को भेजा; 2019 में, महासभा ने ब्रिटेन की वापसी की मांग की।
- **डिएगो गार्सिया:** 99 वर्षों तक ब्रिटेन की संप्रभुता के अधीन रहेगा।

निहितार्थ

- **चीन का समर्थन:** अनसुलझे विवादों के कारण मॉरीशस जैसे देश चीन से समर्थन मांग सकते हैं।
- **भारत की स्थिति:** मॉरीशस के दावे का समर्थन करता है; 2019 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में इसके पक्ष में मतदान किया।

10. भारत और पश्चिम एशियाई संकट – इंडियन एक्सप्रेस

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष ने इस क्षेत्र में भारत की कूटनीतिक भागीदारी की ओर ध्यान आकर्षित किया है। अप्रैल के बाद से दूसरी बार ईरान और इजरायल युद्ध की कगार पर हैं। हाल ही में ईरान ने इजरायल पर करीब 200 मिसाइलें दागीं।

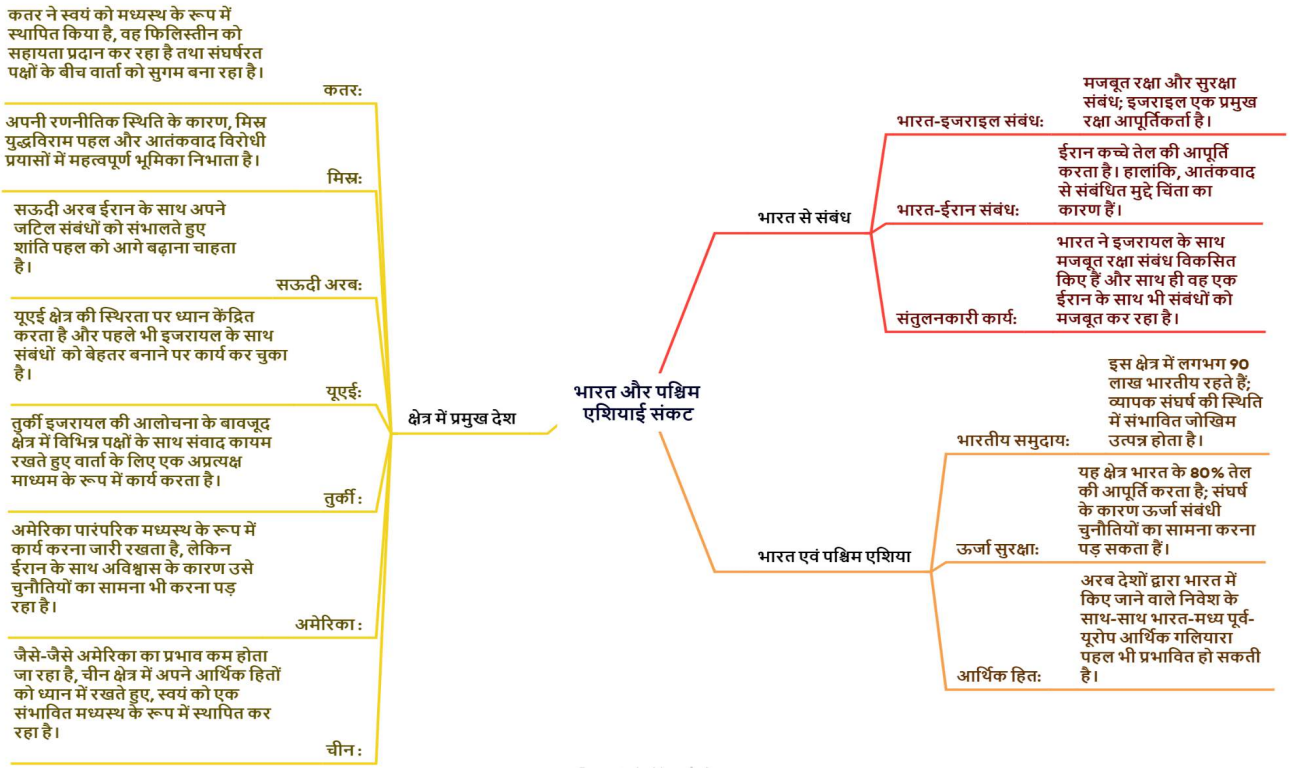

Click Here to Join: https://t.me/samyakiasjaipur

11. नेपाल, भारत, बांग्लादेश के बीच त्रिपक्षीय समझौता, सीमा पार बिजली व्यापार को सुविधाजनक बनाने की कवायद – इंडियन एक्सप्रेस

भारत, नेपाल और बांग्लादेश ने सीमा पार बिजली व्यापार को और सुविधाजनक बनाने के लिए एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किया है

त्रिपक्षीय समझौता

- **शामिल देश:** नेपाल, भारत और बांग्लादेश।
- **उद्देश्य:** सीमा पार बिजली व्यापार को सुविधाजनक बनाना।
- **प्रावधान:** नेपाल प्रतिवर्ष 15 जून से 15 नवंबर तक भारतीय क्षेत्र के माध्यम से बांग्लादेश को 40 मेगावाट जलविद्युत का निर्यात करेगा।
- **हस्ताक्षरकर्ता:** एनईए के कार्यकारी निदेशक, एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम के सीईओ और बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष।

अर्थव्यवस्था

12. कौशल अंतर को पाटने के लिए सरकार ने पीएम इंटर्नशिप पोर्टल का शुभारंभ किया – द हिंदू

केंद्र सरकार ने हाल ही में भारत की शीर्ष 500 कंपनियों के लिए एक पोर्टल का शुभारंभ किया है, ताकि वे इस वर्ष के केंद्रीय बजट में घोषित एक वर्षीय इंटर्नशिप योजना में भाग ले सकें। इस योजना का उद्देश्य बेरोजगार युवाओं के कौशल और नियोक्ताओं द्वारा आवश्यक कौशल के बीच की खाई को पाटना है।

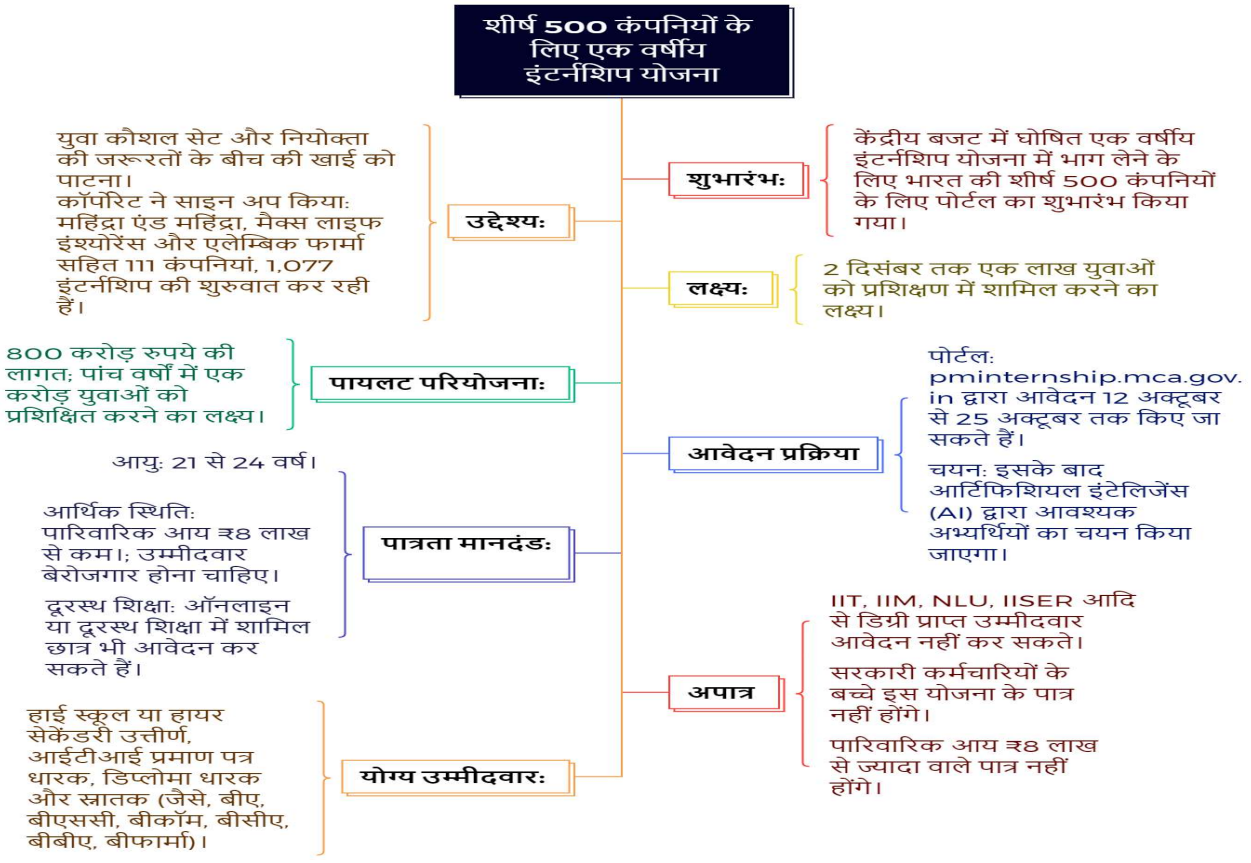

Click Here to Join: https://t.me/samyakiasjaipur

13. कृषि क्षेत्र की सभी पहलों को दो नई योजनाओं के अंतर्गत लाया गया; राज्य उन्हें लागू करेंगे – द हिंदू

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में कृषि क्षेत्र में सभी केंद्रीय योजनाओं को दो नई योजनाओं, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) और कृषोन्ति योजना (केवाई) में विलय करने का निर्णय लिया। मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - तिलहन (एनएमईओ -तिलहन) को भी मंजूरी दी। मंत्रिमंडल ने भारत को ऊर्जा दक्षता हब में शामिल करने के लिए आशय पत्र पर हस्ताक्षर करने को भी मंजूरी दी।

केंद्रीय कृषि योजनाओं का विलय

- **विलय:** सभी केंद्रीय कृषि योजनाओं को दो योजनाओं में विलय कर दिया गया- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) और कृषोन्ति योजना (केवाई)।
- **बजट:** कुल व्यय ₹1,01,321.61 करोड़; केंद्र का हिस्सा ₹69,088.98 करोड़, राज्यों का हिस्सा ₹32,232.63 करोड़
- **उद्देश्य: (1) पीएम-आरकेवीवाई:** टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए। **(2) कृषोन्नति योजना:** खाद्य सुरक्षा और कृषि आत्मनिर्भरता को समर्पित।
- **योजना की कार्यान्वयन:** ये योजनाएँ राज्य सरकारों के माध्यम से लागू की जाएँगी।
- **युक्तिकरण:** केन्द्रीय योजनाओं को युक्तिसंगत बनाने हेतु, और राज्यों को लचीलापन प्रदान करने हेतु।
- **व्यापक योजना:** राज्य एक बार में स्वीकृत वार्षिक कार्य योजना (एएपी) के साथ कृषि के लिए एक रणनीतिक योजना तैयार कर सकते हैं।
- **विलयित योजनाएं:** इसमें मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, वर्षा-सिंचित क्षेत्र विकास, कृषि वानिकी, परम्परागत कृषि विकास योजना शामिल हैं।

Click Here to Join: https://t.me/samyakiasjaipur

Samyak
An Institute For Civil Services

14. भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की मौद्रिक नीति समिति (MPC) में सरकार ने तीन नए बाहरी सदस्यों की नियुक्ति की - द हिन्दू

Click Here to Join: https://t.me/samyakiasjaipur

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

15. भारत के साइबर-फिजिकल हब - इंडियन एक्सप्रेस

राष्ट्रीय अंतःविषय साइबर भौतिक प्रणाली मिशन की सफलता भारत को ऐसी प्रौद्योगिकियों में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जिसका देश के आर्थिक विकास, आत्मनिर्भरता और सामाजिक कल्याण पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा।

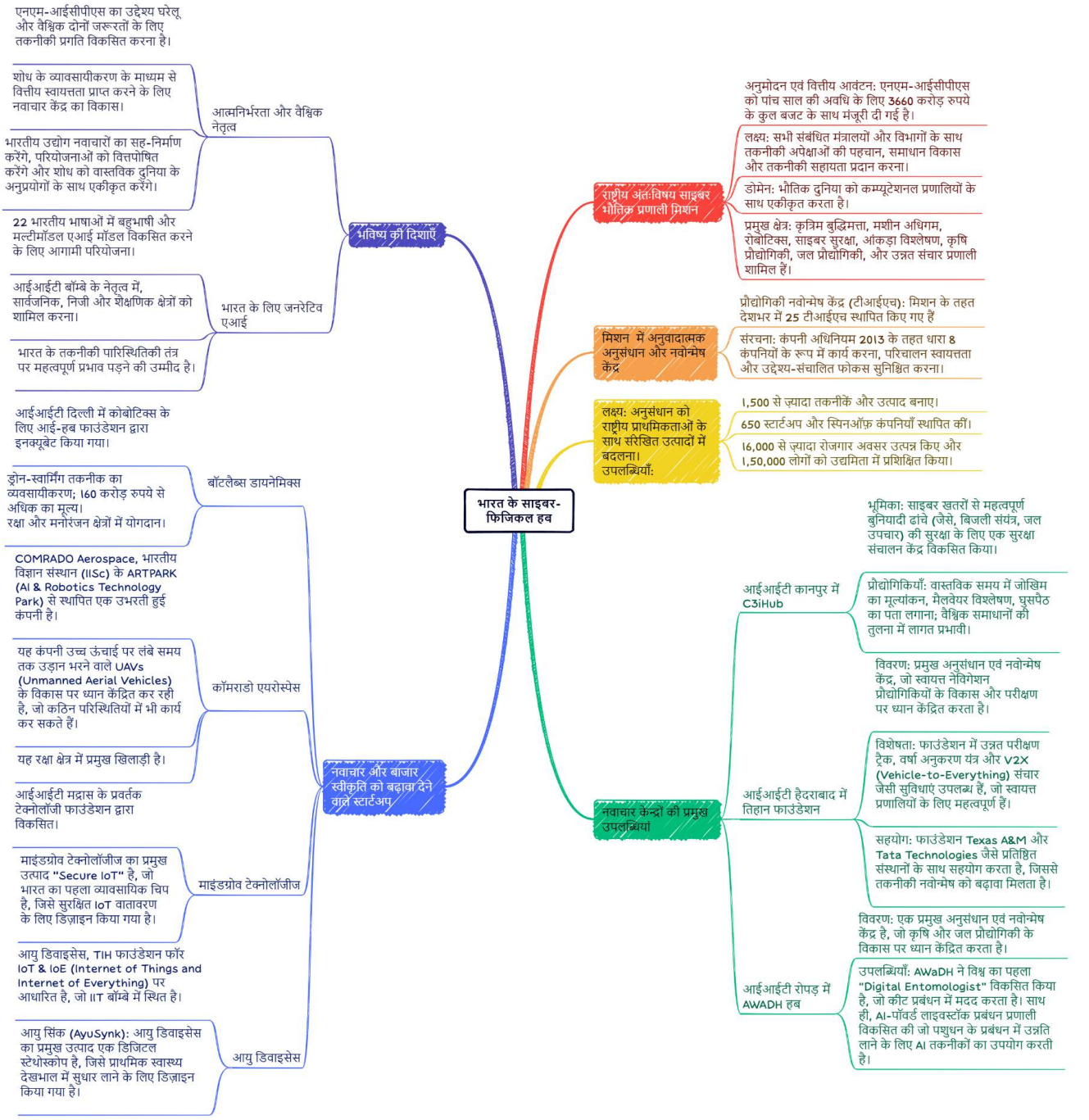

Click Here to Join: https://t.me/samyakiasjaipur